PAPER - 7, UNIT - 2, भाग - III

Classification, mode of occurrence and distribution of Petroleum

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में तेल भण्डार वाले stages एवं series का वर्णन निम्नलिखित है

Occurrence of Petroleum in India

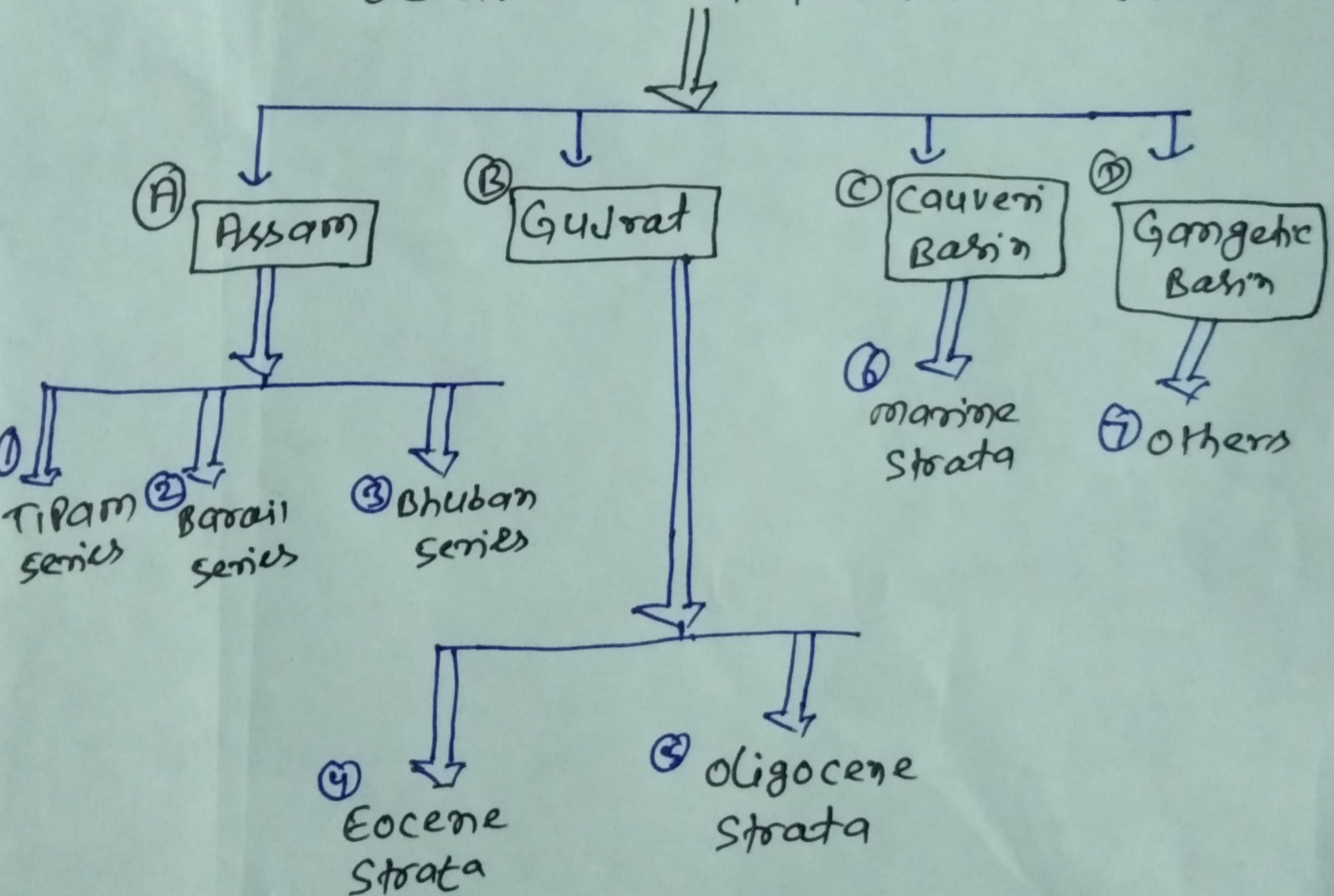

(1) Tipam series of Assam :- असम घाटी के डिगबोई, लकवा, रुद्रसागर, नहरकटिया में यह series वलित एवं भ्रंशित (folded & faulted)

रूप में मिलता है। नहरकाटिया में यह series क्षैतिज रूप में अनेक जगहों पर भ्रंशित एवं छोटी छोटी द्रोणियों से युक्त है। सागरीय मूल (marine origin) के नहीं होने के कारण ऐसा माना जाता है कि इस series में तेल की उपस्थिति इसके नीचे स्थित Barail series से आया है।

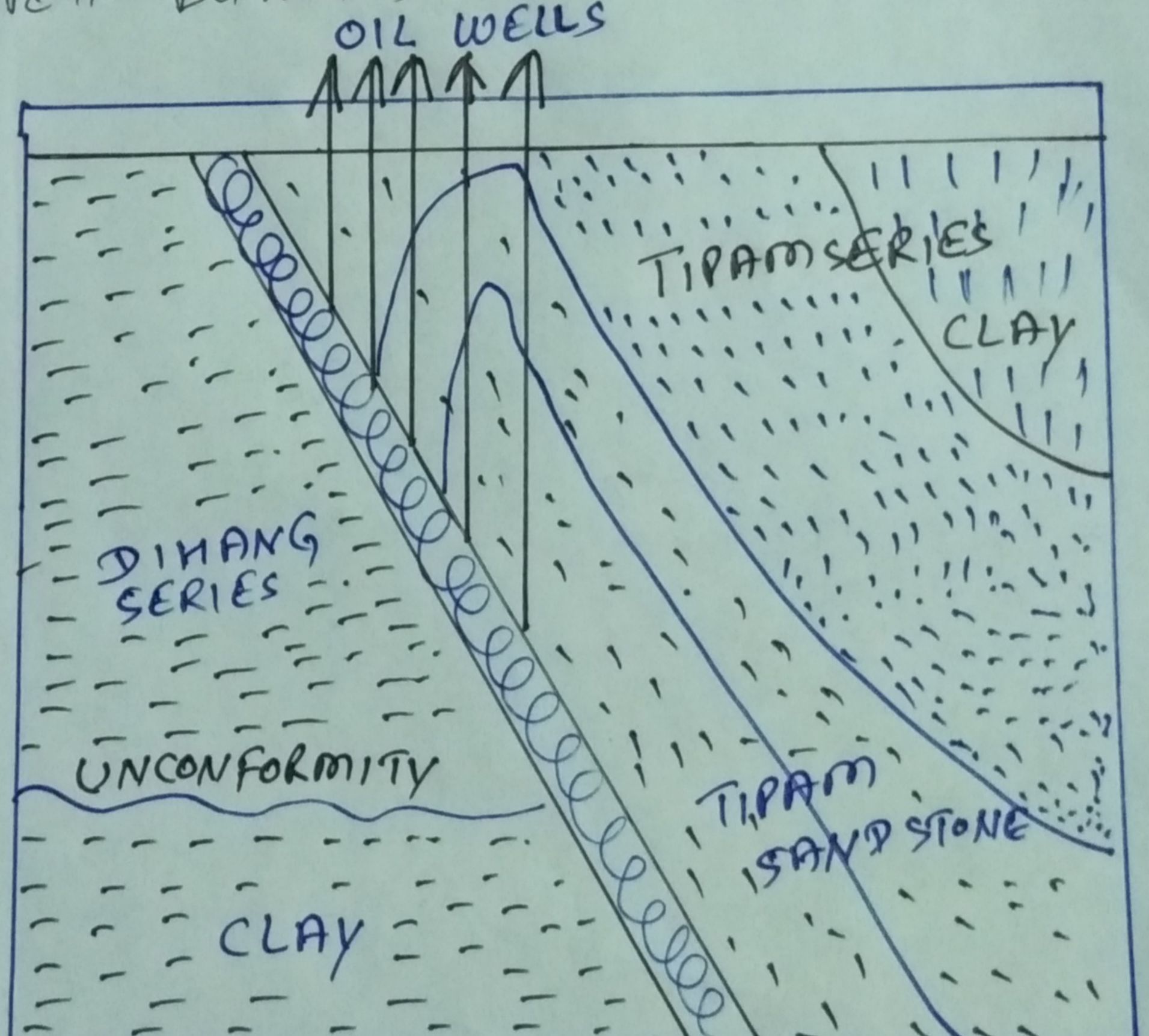

SECTION THROUGH DIGBOI OILFIELD

② Barail Series :-

असम क्षेत्र का सर्वाधिक महत्वपूर्ण संरचना है। नहरकटिया, डिगबोई, माकुम, मोरान, रुद्रसागर तेल क्षेत्र का तेल इसी series से निकाला जाता है। यह series कई क्षेत्रों में folding एवं faulting से प्रभावित हुआ है।

③ Bhuban Series :- इस series का महत्व अब कम हो गया है। पहले इसी series से तेल का उत्पादन बदरपुर में किया जाता था। जो इन दिनों समाप्त हो गया है।

(B) GUJRAT

④ Eocene strata :- Tertiary Period के चट्टानों में Eocene strata तेल भंडार के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। काम्बे बेसिन में strata (500 m thick) से कम तेल प्राप्त होता है। किन्तु विश्वास किया जाता है कि यह strata पेट्रोलियम का mother rock रहा होगा।

⑤ Oligocene strata :-

काम्बे बेसिन के लिए यह strata अधिक महत्व की है। Eocene strata पर स्थित इस परत से काम्बे तेल क्षेत्र में अधिकांश तेल प्राप्त किए जाते है।

(C) Cauveri Basin :-

(6) marine strata :- दक्षिणी आर्काट, तंजोर एवं रामनाथपुरम के तटीय भाग में Lower gondwana के ऊपर समुद्र की ओर marine strata मिलती है जिसमें हाल के सर्वेक्षण के फलस्वरूप तेल प्राप्ति होने लगी है।

(D) Ganga Basin :-

(7) शिवालिक पहाड़ी के ज्वालामुखी स्थान पर धर्मशाला बड़े में प्राकृतिक गैस का भंडार मिले हैं गंगा मैदान [illegible] तराई प्रदेश में इसलिए अभी तक के प्रयास निराशाजनक ही रहे हैं। किन्तु विस्तृत प्रदेश के कारण विश्वास किया जाता है कि Tertiary युग के चट्टान में तेल भंडार अवश्य होंगे।

DISTRIBUTION OF PETROLEUM

ONGC (Oil and National Gas Commission) तेल एवं प्राकृतिक आयोग) द्वारा किए गए पर्यवेक्षणों से भारत में 27 ऐसे बेसिनों का पता चला है जहाँ तेल मिलने की सम्भावना है। विभिन्न राज्यों में तेल का वितरण इस प्रकार है,

(1) ऊपरी असम जो ब्रह्मपुत्र घाटी में फैला है तथा दक्षिणी असम सुरमा घाटी और त्रिपुरा प्रदेश जिसमें दक्षिणी मेघालय पठार, सिलचर

पठार, मिज़ोरम, मणिपुर और त्रिपुरा सम्मिलित हैं। यह क्षेत्र लगभग 60,000 km^2 में विस्तृत है।

(2) प० बंगाल क्षेत्र जिसमें पश्चिमी बंगाल के समीपवर्ती क्षेत्र (सुंदर वन) और उड़ीसा के उत्तरी-पूर्वी तथा तटीय भाग सम्मिलित हैं। इसका विस्तार 60,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर है।

(3) प० हिमालय क्षेत्र

(4) राजस्थान - सौराष्ट्र - कच्छ क्षेत्र

(5) उत्तरी गुजरात क्षेत्र

(6) गंगा की उपत्यका

(7) तमिलनाडु तटीय क्षेत्र

(8) आन्ध्र प्रदेश तटीय क्षेत्र

(9) केरल तटीय प्रदेश

(10) अण्डमान निकोबार तट

(11) मुम्बई - कृष्णा डेल्टा से लेकर कावेरी डेल्टा तक का भाग एवं अपतटीय प्रदेश।

Dr. Mukul Kumar